

प्रेस विज्ञप्ति

5 दिसंबर 2023 को मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान संभाग, भा. कृ. अ. प.-भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली ने इंडियन सोसाइटी ऑफ़ सॉयल साइंस के दिल्ली चैप्टर के सहयोग से विश्व मृदा दिवस 2023 को पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया। इस वर्ष FAO द्वारा विश्व मृदा दिवस की थीम 'मृदा और जल, जीवन का स्रोत' दी गई है। थीम के आधार पर संभाग में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों से आए छात्रों और संभागीय छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. टी जे पुरकायस्थ, प्रोफेसर मृदा विज्ञान संभाग, की प्रस्तुति से हुई जिन्होंने मिट्टी के महत्व और समाज के विकास में मिट्टी की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को कृषि के साथ-साथ पृथ्वी पर जीवन की स्थिरता के लिए प्राकृतिक संसाधनों विशेषकर मिट्टी और पानी के रखरखाव के बारे में भी जानकारी दी। थीम के आधार पर, छात्रों को मिट्टी और पानी के महत्व और इन संसाधनों को बचाने के तरीकों को समझाने के लिए वीडियो की स्क्रीनिंग भी की गई। इसके बाद उन्हें मिट्टी की उत्पत्ति और विकास दिखाने के लिए संभाग के मृदा संग्रहालय का दौरा भी करवाया गया। छात्रों को प्राकृतिक संसाधनों के महत्व से परिचित कराने और उनके ज्ञान का आकलन करने के लिए छात्रों के लिए विश्व मृदा दिवस थीम पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के सफल आयोजन के बाद, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान संभाग में समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भा. कृ. अ. प.-भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक (अनुसन्धान) और डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी उपस्थित रहे। मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान संभाग के अध्यक्ष डॉ. देबाशीष मंडल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और विश्व मृदा दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित की गई संभाग की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जिसका उद्देश्य सतत और लचीली कृषि खाद्य प्रणालियों को प्राप्त करने में मिट्टी और पानी के बीच महत्व और संबंध के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधि को ध्यान में रखते हुए लगातार घटते प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग और सतत प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर बढ़ती आबादी की खाद्य मांग को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भरता बनाये रखने के साथ साथ सतत कृषि उत्पादन और उत्पादकता के प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकों का विकास करने और उनका उपयोग बढ़ाने के लिए आगे आने का आह्वान किया।



Press Note

World Soil Day 2023 was celebrated with full fervour and enthusiasm in the Division of Soil Science and Agricultural Chemistry (SSAC), ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi on 5th December 2023 in association with the Delhi Chapter of Indian Society of Soil Science. This year theme of the World Soil Day was given as Soil and Water, a Source of Life by FAO. Based on the theme different programs were organized in the Division for the school students of Delhi. The program started with the presentation by Dr TJ Purakayastha, Professor who highlighted the importance of soil and its role in the growth and development of the society. He also gave insight to the students regarding the maintenance of natural resources especially soil and water for the sustainability of agriculture as well as life on earth. Based on the theme, screening of the video was also done for students to make them understand the significance of soil and water and ways to save these resources. It was followed by their visit to Soil Museum in the SSAC Division to show them the origin and development of soil. To acquaint the students about the importance of natural resources and to assess their knowledge, a quiz competition on the World Soil Day theme was organized for the students. After the successful organization of the events, valedictory function was organized in the Division of Soil Science and Agricultural Chemistry which was graced by Dr. Viswanathan Chinnusamy, Joint Director (Research), ICAR-IARI, New Delhi as the chief guest. Dr Debashis Mandal, Head, SSAC Division welcomed the Chief Guest and briefed about the different activities carried out in the Division to commemorate the World Soil Day 2023 with an aim to raise awareness about the importance and relationship between soil and water in achieving sustainable and resilient agrifood systems. Then the prizes were distributed to the winners of different competitions by the chief guest being organized in the Division to celebrate World Soil Day. It was followed by the address of the chief guest who stressed on the sustainable management and utilization of diminishing natural resources in the face of climate change and human activity. He invoked the youth to come forward to devise and utilize innovative techniques to manage the natural resources in view of the climate change for self-reliance and sustainable agricultural production and productivity to meet the food demand of increasing population worldwide.



